

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के तेवर कड़े, गंडापुर ने कहा-हुकूमत के विरोध में धरना जारी रहेगा

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के तेवर अब और गरम हो गए हैं। संघीय राजधानी के डी-चौक पर करो या मरो विरोध प्रदर्शन के खत्म होने के बाद पार्टी के बड़े नेता और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर के संवाददाता सम्मेलन ने हुकूमत की चिंता बढ़ा दी है। एआरवाई न्यूज चैनल की खबर के मुताबिक, डी-चौक पर विरोध प्रदर्शन के लिए पहुंचे पीटीआई के

काफिले का नेतृत्व कर कल शाम लौटे गंडापुर ने अपने प्रांत को खूबसूरत घाटी मानसेहरा में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में शहबाज हुकूमत पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हुकूमत इस मुगलते में मत रहे कि आंदोलन खत्म हो गया है। इस्लामाबाद में हुकूमत ने निहत्थे पीटीआई कार्यकर्ताओं पर जुल्म की इंतहा की है। उन्हें गोलियों से भूना है। इससे कोई डरने वाला नहीं है। पीटीआई का देशव्यापी धरना बंद नहीं होगा। वह जारी रहेगा। अली अमीन गंडापुर ने कहा कि

पीटीआई ने हमेशा कानून और लोकतंत्र को सर्वोच्चता को कायम रखते हुए शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा पीटीआई प्रमुख इमरान खान को जेल में डाल दिया गया है। आठ फरवरी के चुनाव में पीटीआई का जनादेश चुरा (छीन) लिया गया। इसके खिलाफ जुवान खोलने की बड़ी कोमत अदा करनी पड़ रही है। अन्याय का शांतिपूर्ण विरोध करने पर गोलियों से भुनवाया जा रहा है। पीटीआई नेता और मुख्यमंत्री गंडापुर ने साफ किया कि जब

तक पार्टी की मांगें पूरी नहीं की जाती तब तक धरना जारी रहेगा। उन्होंने घोषणा की कि पीटीआई के विरोध प्रदर्शन के दौरान मारे गए (शहीद) प्रत्येक कार्यकर्ता के परिवार को 10 मिलियन रुपये प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने सरकार को आगाह किया कि वह निहत्थे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा करने से बाज आए। डी-चौक पर शांति के बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राजधानी में संघीय कैबिनेट बैठक को संबोधित किया।



न्यूज़ ब्रीफ

इमरान खान, बुशरा बीबी, अली गंडापुर समेत 75 के खिलाफ आतंकवाद का मामला दर्ज



रावलपिंडी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान, उनकी पत्नी बुशरा बीबी, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली गंडापुर और पार्टी के कई अन्य नेताओं के खिलाफ आतंकवाद का मामला दर्ज किया गया है। रावलपिंडी के नसीराबाद पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में इमरान खान की बहन अलीमा खान, उमर अयूब, शेरायार रियाज समेत 75 अन्य लोगों के नाम हैं। खबर के अनुसार, एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि इमरान खान ने कथित तौर पर प्रदर्शनकारियों को 22 नवंबर को इस्लामाबाद की ओर मार्च करने के लिए उकसाया। बुशरा बीबी के सोशल मीडिया बयान ने कार्यकर्ताओं को उकसाया। इन सब पर सड़कों को अवरुद्ध करने की साजिश रचने, पुलिस अधिकारियों पर लाठियों, गुलेल, पथरों और ईंटों से हमला करने का भी आरोप है। एफआईआर में पाकिस्तान दंड संहिता की 15 अन्य धाराएं भी शामिल हैं। इससे पहले इस्लामाबाद के पास हिंसक टकराव के दौरान एक पुलिस कांस्टेबल की मौत और अन्य के घायल होने के बाद तक्षशिला पुलिस स्टेशन में इमरान खान पर एक अन्य मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में अली अमीन गंडापुर, सालार खान काकर और शाहिद खड़क समेत अन्य के नाम भी दर्ज हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान लगभग सालभर से रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में बंद हैं। पीटीआई उनकी मांगों को लेकर मुखर है।

खैबर पख्तूनख्वा में भी हालत नाजुक, अमेरिका ने जारी की एडवायजरी, नागरिकों से कहा तुरंत छोड़ें इलाका



वाशिंगटन। पाकिस्तान में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तकरार चरम पर है। बीते दिनों पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इस्लामाबाद में पैदल मार्च निकाला था। उधर, खैबर पख्तूनख्वा में भी हालत नाजुक है। वहां पिछले दिनों आतंकी हमला हुआ था। इसके बाद अब अमेरिका ने अपने नागरिकों को खैबर पख्तूनख्वा के इलाके में जाने से रोक दिया है। अमेरिका ने एडवायजरी जारी कर कहा है कि उसके नागरिक खैबर, पेशावर गोल्फ क्लब, खैबर रोड, होटल सेरेना समेत अनेक इलाकों में 16 दिसंबर तक न जाएं। अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों से कहा है कि 16 दिसंबर 2024 की अवधि के दौरान इस इलाके और आसपास के क्षेत्रों में जाने से बचें और अपनी यात्रा की योजनाओं पर फिर से पुनर्विचार करें। अमेरिकी ने अपने नागरिकों से कहा है कि वह आतंकवाद के कारण इस इलाके में यात्रा न करें। इसलिए सलाह जारी की गई है उस सलाह को ध्यान में रखें। यदि आप किसी कारणवश इन इलाकों में मौजूद हैं तो तत्काल वह इलाका छोड़ दें। अमेरिकी द्वारा जारी इस अलर्ट के बाद माना जा रहा है कि पाकिस्तान में कोई बड़ा आतंकवादी हमला इस अवधि में हो सकता है।

एचटीएस विद्रोही समूह ने सीरियाई सैन्य ठिकानों पर किया हमला, 89 लोगों की मौत

दमिश्क। हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) विद्रोही समूह और उसके सहयोगी गुटों ने अलेपो प्रांत के ग्रामीण इलाकों में सीरियाई सैन्य ठिकानों पर बड़ा हमला किया। इन झड़पों में 89 लोगों की मौत हो गई, जिसमें एचटीएस और उसके समर्थक गुटों के 52 लड़ाके और सीरियाई सरकारी बलों के 37 सैनिक शामिल थे। रिपोर्ट में सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के हवाले से बताया गया कि एचटीएस और अल-फतह अल-मुबीन ऑपरेशन रूम के गुटों ने ऑपरेशन शुरू होने के 12 घंटे से भी कम समय में 21 गांवों, कस्बों और रणनीतिक स्थलों पर नियंत्रण कर लिया। पांच सीरियाई सैनिकों को एचटीएस ने बंधक बनाया और हथियार डिपो, बख्तरबंद वाहन और भारी हथियार भी जब्त कर लिए। ऑब्जर्वेटरी ने बताया कि हमले के जवाब में, रूसी युद्ध विमानों ने अटारीब शहर के आसपास विद्रोहियों गुटों के ठिकानों पर वैद्युत मिसाइलों का उपयोग करके हमले किए। सीरियाई सरकारी बलों ने अटारीब, दारत इज्जान और आसपास के गांवों पर सैकड़ों तोपों और रॉकेटों से बमबारी की। एक दिन पहले, एचटीएस की तैयारियों कारण पश्चिमी अलेपो के ग्रामीण इलाकों में अंतरिब और आसपास के गांवों से नागरिकों को बड़ी संख्या में पलायन करना पड़ा था।

बांग्लादेश में इस्काँन पर प्रतिबंध लगाने की याचिका पर हाई कोर्ट ने कहा-सरकार निश्चित रूप से गौर करेगी

बांग्लादेश में सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्ग्रियसनेस (इस्काँन) के नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के बाद घटागांव में हुई हिंसा में एक वकील की हत्या से उपजे हालात पर आज हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान इस्काँन पर प्रतिबंध लगाने की याचिका को खारिज करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि सरकार निश्चित रूप से इस पर गौर करेगी।

यह याचिका वकील मोनिरुज्जमान ने बुधवार को दायर की। इसमें इस्काँन पर प्रतिबंध लगाने और किसी भी अग्रिम स्थिति से बचने के लिए चटगांव और रंगपुर में आपातकालीन उपाय लागू करने की मांग की गई। हाई कोर्ट ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अर्दोनी जनरल को तलब किया। आज सुनवाई के दौरान वकील मोनिरुज्जमान ने कहा कि अब समय आ गया है कि इस्काँन पर प्रतिबंध लगाया जाए। इस पर हाई कोर्ट ने जवाब दिया कि सरकार निश्चित रूप से इस पर गौर करेगी। इससे पहले अतिरिक्त अर्दोनी जनरल बैरिस्टर अनीक आर हक और डिप्टी अर्दोनी जनरल मोहम्मद असदउद्दीन ने हाई कोर्ट के जस्टिस फराह महबूब और जस्टिस देबाशीष रॉय चौधरी को पीठ को सरकार के रुख से अवगत कराया। हाई कोर्ट को बताया गया कि राज्य ने इस्काँन के एक पूर्व नेता की गिरफ्तारी के बाद चटगांव में एक वकील की हत्या पर केंद्रित अशांति या अराजकता पैदा करने



इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच युद्धविराम के बाद गाजा में शांति के प्रयास शुरू

वॉशिंगटन। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच युद्धविराम बुधवार 27 नवंबर सुबह से लागू हो गया। लेबनान समझौते की घोषणा करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वह गाजा में युद्धविराम के प्रयासों को फिर से शुरू करेंगे, जहां 14 महीनों से लड़ाई जारी है। उन्होंने इजरायल और हमस दोनों से बातचीत का आग्रह किया। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने भी कहा कि बाइडेन तुर्की, कतर, मिस्र और क्षेत्र के अन्य देशों से बातचीत करेंगे। हालांकि, गाजा में भी इसी तरह के समाधान की उम्मीद कम ही दिख रही है, क्योंकि इजरायली अधिकारी हमस के खिलाफ अपना हमला जारी रखने की बात कर रहे हैं। इजरायली कृषि मंत्री और आंतरिक सुरक्षा कैबिनेट के सदस्य अवि डिचर ने कहा कि गाजा फिर कभी इजरायल के लिए खतरा नहीं बनेगा। हम वहां एक निर्णायक जीत हासिल करेंगे। लेबनान अलग है। प्रधानमंत्री बेजांमिन नेतन्याहू ने गाजा में बंधक बनाए गए 101 इजरायली नागरिकों को घर वापस लाने और हमस को खत्म करने का संकल्प लिया है। दूसरी ओर हमस ने उम्मीद जताई है कि हिजबुल्लाह के साथ युद्धविराम से गाजा में प्रगति हो सकती है। हमस के अधिकारी सामी अबू जुहरी ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि यह समझौता (हिजबुल्लाह के साथ) एक ऐसे समझौते का रास्ता खोलेंगे जो गाजा में हमारे लोगों के खिलाफ नरसंहार के युद्ध को समाप्त करे।' समूह ने इजरायली बंधकों के बदले में फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करने की मांग की है और गाजा से इजरायल की वापसी पर जोर दिया है। इन मांगों पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत टप है और दोनों एक-दूसरे पर गतिरोध के लिए आरोप लगा रहे हैं।



नेपाल की विदेश मंत्री चीन खाना, बीजिंग के बजाय चेंगदू में होगी द्विपक्षीय बैठक

काठमांडू। विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा गुरुवार को चीन की आधिकारिक यात्रा पर खाना हुई हैं। चीन के विदेश मंत्री वांग यी के निमंत्रण पर उनकी बीजिंग यात्रा अब चेंगदू तक ही होने वाली है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की द्विपक्षीय बैठक चेंगदू में ही होगी। डॉ. राणा की विदेश मंत्री के रूप में यह पहली चीन यात्रा है। विदेश मंत्रालय के कार्यवाहक सचिव अमृत राई और अन्य अधिकारियों ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उन्हें विदाई दी। अपनी यात्रा के दौरान विदेश मंत्री राणा शुक्रवार को सिचुआन प्रांत के चेंगदू में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने वाली हैं। यह यात्रा प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अगले सप्ताह चीन की योजनाबद्ध यात्रा से पहले की गई है। चेंगदू में चीनी विदेश मंत्री वांग यी अपनी बैठक के दौरान विदेश मंत्री राणा ओली के नेतृत्व वाली सरकार का संदेश देने और पीएम के प्रस्तावित चीन भ्रमण के एजेंडा और चीन की बेल्ट



एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत परियोजनाओं को लागू करने के संबंध में नेपाल का प्रस्ताव पेश करेंगे। इसके बाद मंत्री राणा के शनिवार को नेपाल लौटने का कार्यक्रम है।

युद्ध विराम के दौरान दक्षिणी लेबनान में इजराइली सेना और हिजबुल्लाह के आतंकी मिड़े

बेरुत। लेबनान में दो माह के युद्ध विराम को प्रभावी हुए 24 घंटे से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है। अधिकतर क्षेत्रों से इजराइली सुरक्षा बल (आईडीएफ) और हिजबुल्लाह के आतंकवादी पीछे हट चुके हैं। मगर लड़ाई रुकने के कुछ घंटों बाद दक्षिणी लेबनान के कुछ इलाकों में आईडीएफ के जवानों और हिजबुल्लाह के लड़ाकों के बीच झड़प हो गई। इसमें हिजबुल्लाह को काफी क्षति हुई।

युद्ध विराम लागू होने के बाद ज्यादातर हिस्सों से आईडीएफ के जवान और हिजबुल्लाह के लड़ाके पीछे हट चुके हैं। लेबनान की सेना दक्षिणी लेबनान में उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ रही है।



आईडीएफ और हिजबुल्लाह के बीच बुधवार को दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों में जमीनी भिड़ंत जरूर हुई लेकिन सुबह चार बजे शुरू हुआ संघर्ष विराम का प्रभाव दिखने लगा है। आईडीएफ ने कहा कि हिजबुल्लाह ने कई जगह संघर्ष विराम के उल्लंघन की कोशिश की। उसके लड़ाके दक्षिणी लेबनान के कुछ क्षेत्रों में प्रवेश की कोशिश करने लगे। चेतवनी के बावजूद जब वह नहीं रुके तो गोलीबारी करनी पड़ी। इस दौरान कई लड़ाके मारे गए। कुछ घबराकर पीछे लौट गए। चार लड़ाकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आईडीएफ ने कहा कि अगर युद्ध विराम के दौरान हिजबुल्लाह ने उल्लंघन की हरकत की तो लेबनान में और शक्तिशाली हमले किए जाएंगे। हालांकि आईडीएफ के जाला अधिकारी ने उम्मीद जताई कि हिजबुल्लाह युद्ध विराम की शर्तों का

सम्मान करेगा। इस अधिकारी ने दोहराया कि अगर युद्ध विराम समझौते का उल्लंघन हुआ तो इजराइल पूरे लेबनान में कार्रवाई करने के लिए तैयार रहेगा। आईडीएफ ने कहा कि बुधवार को युद्ध विराम लागू होने के कुछ ही घंटों बाद उसके सैनिकों ने निषिद्ध क्षेत्र में पाए गए सॉर्टिण्गों पर गोली चला दी। इससे पहले बेरुत में इजराइली वायुसेना के हमले में हिजबुल्लाह के ऑपरेशन अधिकारी जफर अली समाहा की मौत हो गई। इस हमले में हिजबुल्लाह की हवाई इकाई में कमांड की अधिकांश श्रृंखला का सफाया हो गया। लेबनानी संसद के सदस्य और हिजबुल्लाह के सक्रिय कार्यकर्ता हसन फदलल्लाह ने कहा कि अब अगर इजराइल हमला करता है तो आतंकवादी समूह को अपना बचाव करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि युद्ध विराम समझौते में 60 दिनों की अवधि शामिल है। इस दौरान इजराइली सेना दक्षिणी लेबनान से हटेगी। वहां लेबनान की सेना तैनात होगी और हिजबुल्लाह लितानी नदी के उत्तर में आगे बढ़ेगा।